University in News on 12 Feb 2020

AMAR UJALA Page No. 5

बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन आज से

लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित परीक्षा के लिए 6 मार्च तक होंगे आवेदन, वेब कैमरों की निगरानी में 15 शहरों में 8 अप्रैल को होगी प्रवेश परीक्षा

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित की जा रही बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन बुधवार से किए जाएंगे। आवेदन की अंतिम तारीख 6 मार्च है, जबकि विलंब शुल्क के साथ 11 मार्च तक फॉर्म जमा होंगे। 8 अप्रैल को प्रवेश परीक्षा और 11 मई को रिजल्ट घोषित किया जाएगा। काउंसलिंग एक जून से शुरू होगी। यह जानकारी लखनऊ विवि. के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और बीएड प्रवेश समन्वयक प्रो.अमिता बाजपेयी ने मंगलवार को मीडियाकर्मियों को दी।

प्रो. बाजपेयी ने बताया कि प्रदेश भर के कॉलेजों में बीएड की करीब दो लाख सीटें हैं। सामान्य और अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 1500 रुपये और एससी-एसटी वर्ग के लिए 750 रुपये फीस निर्धारित की गई है। सामान्य और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए विलंब शुल्क 500 रुपये और एससी-एसटी के लिए 250 रुपये है। 15 शहरों में दो पालियों में होने वाली परीक्षा के लिए केंद्रों की संख्या अभ्यर्थियों के हिसाब से तय होगी।

अभ्यर्थियों को दोनों प्रश्नपत्रों की परीक्षा देना अनिवार्य है। प्रवेश परीक्षा सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में होगी। इससे लखनऊ विश्वविद्यालय से किसी भी परीक्षा केंद्र की जानकारी ली जा सकेगी।

मिलेगा ईडब्ल्यूएस कोटे का लाभ

प्रवेश समन्वयक ने बताया कि केंद्र सरकार के फैसले के बाद दाखिलों में 10 फीसदी सीटें सवर्ण वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित होंगी। पिछले साल अभ्यर्थियों को इसका लाभ नहीं मिला था। एनसीटीई से अनुमति के बाद इस साल इसका फायदा दिया जाएगा।

ऑनलाइन टेस्ट पर अगले वर्ष फैसला

कुलपति ने बताया कि परीक्षा का आयोजन ऑनलाइन करने पर विचार किया गया था, पर फिलहाल इसे ऑफलाइन ही कराया जाएगा। यदि अगली बार प्रवेश परीक्षा की जिम्मेदारी लखनऊ विश्वविद्यालय को मिली तो परीक्षा ऑनलाइन कराई जा सकती है।

अंतिम बार हो सकता है दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम में दाखिला

पिछले दो वर्ष से बीएड पाठ्यक्रम को अवधि दो साल से बढ़ाकर चार साल करने पर विचार किया जा रहा है। एनसीटीई भी इंटीग्रेटेड बीएड कराने के बारे में निर्देश जारी कर चुका है। ऐसे में संभव है कि इस साल दो वर्षीय बीएड प्रवेश परीक्षा का अंतिम वर्ष हो। अगले वर्ष से बीएड की अवधि चार साल कर दी जाए।

MY CITY Page No. 5

जर्जर केमिस्ट्री भवन के स्थान पर बनेगी बहुमंजिला इमारत

माई सिटी रिपोर्टर

केमिस्ट्री विभाग की जर्जर इमारत, जिसे गिराकर नया भवन बनाया जाएगा।

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के केमिस्ट्री विभाग की पुरानी और जर्जर इमारत के स्थान पर जल्द ही बहुमंजिला भवन बनाने की तैयारी हो रही है। जू और ओल्ड केमिस्ट्री भवन के बीच में स्थित इस भवन की हालत बेहद खराब हो चुकी है। लविवि कुलपति ने अपने निर्देशन में इस भवन को हटाकर इसके स्थान पर प्रयोगशाला और लेक्चर थियेटर वाली बहुमंजिला इमारत बनाने की बात कही थी। इसके बाद इस भवन के लिए आर्थिक संसाधन जुटाने का प्रयास किया जा रहा है।

लविवि के विज्ञान संकाय में सबसे ज्यादा विद्यार्थी केमिस्ट्री विभाग में ही हैं। बायो या फिर मैथस ग्रुप में बीएससी करने वाले विद्यार्थियों के पास केमिस्ट्री कॉमन होती है। इस वजह से सबसे ज्यादा छात्र संख्या केमिस्ट्री में ही होती है। इसको देखते हुए विवि ने 1927 में बने केमिस्ट्री के पुराने भवन के साथ ही नये भवन का निर्माण भी किया था। इन दोनों भवनों के बीच केमिस्ट्री विभाग का एक और पुराना भवन स्थित है। इस भवन की हालत बेहद खराब है। इसके कुछ हिस्से का ही उपयोग हो पाता है। इसलिए इसके स्थान पर एक नया भवन तैयार करने की योजना बनाई जा रही है।

> बजट की व्यवस्था होते ही निर्माण
>
> केमिस्ट्री के पुराने और जर्जर भवन के स्थान पर नई इमारत की योजना तैयार की गई है। लविवि के आर्थिक संसाधन बहुत अच्छे नहीं हैं। इसलिए इस भवन के लिए बजट की व्यवस्था होते ही निर्माण शुरू किया जाएगा।
>
> – डॉ. सुनीता श्रीवास्तव, प्रवक्ता, लविवि

DAINIK JAGRAN Page No. 6

तैयारी | इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बेंगलुरू की तर्ज पर लविवि पीएचडी इंटीग्रेटेड प्रोग्राम करने जा रहा शुरू

पीजी में लें दाखिला, पीएचडी करके निकलें

पुलक त्रिपाठी • लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय अगले सत्र से बड़ा कदम उठाने जा रहा है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बेंगलुरू की तर्ज पर लविवि पीएचडी इंटीग्रेटेड प्रोग्राम शुरू करने जा रहा। इस प्रोग्राम के तहत पीजी में दाखिला लेने के बाद छात्र पीएचडी की डिग्री के साथ पढ़ाई पूरी करेगा। पीएचडी के लिए विद्यार्थी को प्रवेश परीक्षा से निजात मिलेगी। साथ ही शोध की क्षेत्र में विद्यार्थियों की राह भी आसान हो चलेगी।

दरअसल, मौजूदा समय में पीजी के बाद विद्यार्थी को पीएचडी में प्रवेश के लिए इंतजार करना पड़ता है। कई बार छह महीने तो कई बार साल भर बर्बाद हो जाता है। इसके अलावा पीएचडी शुरू करने से पहले विद्यार्थी को उसकी भूमिका तैयार करनी पड़ती है, उसमें भी वक्त लगता है। मगर लविवि के इस फैसले के बाद विद्यार्थी द्वारा पीजी करने के दौरान ही पीएचडी की भूमिका भी तैयार करने का मौका रहेगा। इससे उनके समय की बचत भी होगी। इसके लिए लविवि अपने ऑर्डिनेंस में भी बदलाव करने जा रहा है। साथ ही विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को प्रस्ताव भेज सहमति भी मांगी है।

बरकरार रहेगी पुरानी व्यवस्था : मौजूदा समय में लविवि में पीजी व पीएचडी में प्रवेश परीक्षा के जरिए दाखिले लिए जाते हैं। इस व्यवस्था को बिना छेड़े पीएचडी इंटीग्रेटेड प्रोग्राम शुरू किया जा रहा है। नए प्रोग्राम की फीस, कोर्स और फ्रेमवर्क अलग रहेगा।

इस व्यवस्था को अगले सत्र से शुरू किया जाएगा। इंटीग्रेटेड पीएचडी प्रोग्राम एक विशेष प्रोग्राम होगा। पीजी के दौरान पीएचडी में दाखिला मिलेगा या नहीं, विद्यार्थियों में इसे लेकर कई बार अनिश्चितता की स्थिति भी देखने को मिली है। इससे उनकी राह आसान होगी। यूजीसी को प्रस्ताव भेजा जा रहा है। 14 फरवरी को यूजीसी के चेयरमैन प्रो. डीपी सिंह के साथ बैठक भी है।

– प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लविवि

ऐसे बदलाव करने के लिए विश्वविद्यालय स्वायत्त है। इससे विद्यार्थी को सही दिशा का चयन करने में आसानी होगी ऐसे फैसले सार्थक हैं। विश्वविद्यालय की ओर से यदि प्रस्ताव आता है तो हम विचार करेंगे।

प्रो. डीपी सिंह, चेयरमैन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)

14 फरवरी को यूजीसी के चेयरमैन प्रो. डीपी सिंह के साथ होगी बैठक

06 महीने तो कई बार सालभर बर्बाद हो जाता है पीएचडी प्रवेश की प्रतीक्षा में

बरकरार रहेगी पुरानी व्यवस्था

मौजूदा समय में लविवि में पीजी व पीएचडी में प्रवेश परीक्षा के जरिए दाखिले लिए जाते हैं। इस व्यवस्था को बिना छेड़े पीएचडी इंटीग्रेटेड प्रोग्राम शुरू किया जा रहा है। हालांकि इस नए प्रोग्राम की फीस, कोर्स और फ्रेमवर्क अलग रहेगा।

बढ़ते तापमान पर हो जाएं सतर्क

अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान पुस्तक का विमोचन करते (बाएं से दाएं) प्रो. भरतराज सिंह, प्रो. एसके शुक्ला, शरद सिंह, लविवि कुलपति आलोक कुमार राय, डॉ. सीएम नौटियाल और आरके त्रिवेदी • जागरण

जागरण संवाददाता, लखनऊ : बढ़ते तापमान पर समय रहते सोचना होगा। समय रहते हम न चेते तो आने वाली स्थिति काफी भयावह होगी।

एसएमएस (स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज) में दो दिवसीय सोसेंज ऑफ प्लेनेट एनर्जी, एनवायरमेंटल एंड डिजास्टर साइंस एंड इंपैक्ट ऑफ नान कंवेन्शनल एनर्जी रिसोंसेज पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के मौके पर दीनदयाल उपाध्याय विवि गोरखपुर के कुलपति व मुख्यअतिथि प्रो. वीके सिंह ने कही। संगोष्ठी के प्रथम सत्र के मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि सौर ऊर्जा को वैकल्पिक ऊर्जा संसाधन के रूप में उपयोगिता पर बल दिया। प्रो. डॉ. एसके शुक्ला पूर्व कुलपति राजी विवि व इंडियन नेशनल साइंस अकादमी से डॉ. सीएम नौटियाल, इंस्टीट्यूशनल ऑफ इंजीनियर्स यूपी स्टेट सेंटर लखनऊ के चेयरमैन आरके त्रिवेदी ने ग्लोबल तापमान पर चिंता व्यक्त की।

LUCKNOW LIVE Page 2

लखनऊ विवि कराएगा इंटीग्रेटेड पीएचडी कोर्स

अच्छी खबर

लखनऊ कार्यालय संवाददाता

लविवि के शोध में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए अच्छी खबर है। विवि प्रशासन फर्ट टाइम शोध के साथ पत्रान्तक इंटीग्रेटेड पीएचडी कोर्स शुरू करने की तैयारी कर रहा है। विवि पीएचडी के नए अध्यादेश में इसे लागू करने की तैयारी कर रहा है।

मंगलवार को संवाददाताओं की बैठक होना थी लेकिन अफरातर्फ कारणों से बैठक नहीं हो सकी। लविवि प्रशासन पीएचडी अध्यादेश 2018 में बदलाव की तैयारी कर रहा है। नए अध्यादेश में प्रशासन पीएचडी में चलाया बेस्ट क्रेडिट सिस्टम सीबीसीएस सबेत कई बदलाव करने की तैयारी में है। नए अध्यादेश में पत्रान्तक छात्रों के लिए इंटीग्रेटेड पीएचडी कोर्स शुरू किया जाएगा। इससे पत्रान्तक छात्रों को इसमें अलग से दाखिला नहीं लेना पड़ेगा। यह सीधे इस कोर्स में शामिल हो सकेंगे। साथ ही पत्रान्तक के अतिरिक्त सेमेस्टर से ही पीएचडी इंटीग्रेटेड कोर्स की पढ़ाई भी शुरू हो जाएगी।

पीएचडी में 7999 आवेदन

लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी प्रवेशित के लिए जमाया दर सत्र तक 7999 छात्रों ने आवेदन किया है। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने बताया कि पीएचडी में प्रवेशितों में आवेदन की संख्या बहुत ही अच्छी है। इन्होंने छात्रा कि राजधान के निर्देश पर प्रदेश सरोत्र देश के सभी विश्वविद्यालयों में पीएचडी प्रवेशित का नोटिफिकेशन भेज रहा था। लेकिन बहार राज्यों के छात्र भी पीएचडी में प्रवेशित के लिए आवेदन कर सकें। उन्होंने बताया कि अगले साल जमा में पीएचडी की ऑनलाइन परीक्षा कराने का प्रयास किया जाएगा। इससे बहार राज्यों से आवेदन करने वाले छात्र घर बैठ कर परीक्षा दे सकें।

टीचे सत्कार्यों में होंगे चार कोर्स

विश्वविद्यालय के अधिकारियों के मुताबिक अंडरग्रेजुएट कोर्स टीचे सेमेस्टर में इंटीग्रेटेड पीएचडी प्रणाली लागू है। इसमें चार टिचर विषय में पत्रान्तक की डिग्री लेने होती है, उसी विषय से पीएचडी भी कर सकेंगे।

HINDUSTAN Page No. 3

बीएड: संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन आज से

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया बुधवार से शुरू हो जाएगी। आवेदन करने की अंतिम तिथि पांच मार्च है जबकि विलम्ब शुल्क के साथ आवेदन 11 मार्च तक जमा किये जा सकेंगे। प्रवेश परीक्षा 8 अप्रैल को होगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को प्रेसवार्ता में संकायाध्यक्ष व बीएड प्रदेश समन्वयक प्रो अमिता कनौजिया ने बताया कि विश्वविद्यालय को छठी बार यह जिम्मेदारी दी गई है।

➤ दो लाख सीटें पेज 04

इन तिथियों का रखें ध्यान

आवेदन शुरू	12 फरवरी से
अंतिम तिथि	5 मार्च
लेट फीस के साथ	11 मार्च
प्रवेश परीक्षा	8 अप्रैल
नतीजे	11 मई तक
काउंसलिंग	1 जून से
नया सत्र	1 जुलाई से
आखिरी मौका	10 जुलाई तक

आवेदन शुल्क

सामान्य, ओबीसी	1500 रुपये
लेट फीस	500 रुपये
एससी-एसटी	750 रुपये
लेट फीस	250 रुपये

HINDUSTAN Page No. 4

दो लाख सीटों के लिए होंगे आवेदन

बीएड

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विवि में मंगलवार को बीएड प्रवेश परीक्षा की जानकारी देतीं समन्वयक अमिता कनौजिया, साथ में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय।

बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मंगलवार को परीक्षा समन्वयक प्रो. अमिता कनौजिया ने बताया कि बीएड की दो लाख सीटों पर आवेदन मांगे गए हैं। पांच कमेटियों का गठन किया गया है। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की वजह से एक टेक्निकल कमेटी भी बनाई गई है। उन्होंने बताया कि बीएड की प्रवेश प्रक्रिया 30 जून तक पूरी कर ली जाएगी। एक जुलाई से नया सत्र शुरू हो जाएगा।

प्रो. अमिता कनौजिया ने बताया कि पिछले साल 6 लाख 70 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। परीक्षा के लिए 15 शहरों में 1216 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। इस बार आवेदन आने के बाद ही परीक्षा केन्द्रों का निर्धारण किया जाएगा। प्रवेश परीक्षा दो पालियों में होगी। परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी अनिवार्य होगा। इससे केन्द्रों की ऑनलाइन मॉनीटरिंग की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बार होने जा रही संयुक्त प्रवेश परीक्षा अंतिम हो सकती है क्योंकि अब एनसीटीई कॉलेजों में बीएड दाखिले की प्रक्रिया पूरी करेगा।

ईडब्ल्यूएस के लिए 10% आरक्षण

: प्रो कनौजिया ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए ईडब्लूएस कोटे के तहत दस प्रतिशत सीटें आरक्षित रहेंगी। इन पर सरकार के दिए गए निर्देशों के तहत दाखिले लिए जाएंगे। सरकार चाहेगी तो बीएड की सीटें बढ़ा भी सकती है।

i-Next Page No. 2

एलयू अब हर एग्जाम के लिए नहीं बनाएगा अलग सेंटर

50 से अधिक कॉलेजों का परीक्षा केंद्र बनाने को होगा चयन

LUCKNOW (11 Feb, inext): एलूय नए सेशन से अपने सभी विषयों के परीक्षा कराने के लिए केंद्र बनाने की प्रक्रिया में व्यापक बदलाव करने जा रहा है. यूनिवर्सिटी अब सभी परीक्षाओं को कराने के लिए पहले से ही केंद्रों का चयन करेगा. इन्हीं केंद्रों पर एलयू अपनी सभी परीक्षा आयोजित करेगा. अभी तक एलयू हर यूजी-पीजी, बीएड, लॉ सहित विभिन्न विषयों के परीक्षा कराने के लिए अगल-अलग परीक्षा केंद्रों का चयन करता था. पर नए सेशन से इस प्रक्रिया में संशोधन किया जाएगा. इसके तहत अब एलयू करीब 50 कॉलेजों का चयन करेगा.

कॉलेजों का बनेगा पूल

परीक्षा नियंत्रक एके मिश्रा ने बताया कि आगामी सभी परीक्षाओं के लिए सम्बद्ध कॉलेजों से एक पूल बनाया जाएगा. इसके बाद इन्ही कॉलेजों में विभिन्न परीक्षाओं के लिए केंद्र बनाने के लिए प्रयोग किया जाएगा. परीक्षा केंद्र बनाने के लिए करीब 60 के आसपास कॉलेजों का पूल तैयार किया जाएगा. इन्ही को परीक्षाओं के आधार पर केंद्र बनाया जाएगा.

उन्हीं में सभी विषयों की परीक्षा करायगा.

सीसीटीवी से होंगे लैस

एलयू जिन कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाने के लिए पूल में शामिल किया जाएगा. उन सभी कॉलेजों में सबसे पहले सीसीटीवी लगाना अनिवार्य होगा.

TIMES OF INDIA Page 3

LU makes NAD account mandatory for students

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University will allow only students with National Academic Depository (NAD) account to fill the form for examinations scheduled next month.

The university has made NAD identity mandatory to bring academic documents of students online and digitize examination system.

NAD, an initiative of University Grants Commission (UGC), is an online storehouse where all academic documents are available at the click of a mouse if the student has an account.

Controller of examination Lt Col AK Mishra said, "In recent analysis of applications received by examination department, we found that 80-90% applications were for correction of name or other credentials. Online availability of documents will make it easier for us to produce error-free marksheets based on high school documents."

"Along with the examination form, we are providing a link to students through which they can create a NAD account. Students may also approach university computer centre to create NAD account," he said.

He said students could also create NAD account on their own by downloading digi locker application of the government and upload documents after scanning.

The university is not only making its examination system online but will also make purchases and transactions online through government e-marketplace.

Control room to monitor exam centres

Officials sitting in the control room of the examination department at Lucknow University will monitor each and every move of the examinees as well as invigilators in examination halls of all the colleges during the undergraduate and postgraduate examinations to be held next month.

To check copying and other malpractices and ensuring probity, Lucknow University, probably taking a cue from Uttar Pradesh Secondary Education Board, is setting up a control room from where officials can keep a check on every classroom and ensure all invigilators reach in time for duty.

"We are coming up with a centralized inspection system. All colleges made examination centre will provide access to the CCTVs installed in their examination halls. Our officials will monitor the examination," said controller of examination Lt Col AK Mishra. The facility will curb malpractices, save time spent in inspection and will ensure all examination centres are monitored simultaneously in real time. TNN